कल मझे कमला और प्रकाश कुमार के डिनर में बुलाया गया । बहुत ही शानदार डिनर था। हमें जितना खाना खिलाया गया, उतना मैंने कभी नहीं खाया है! जब कमला जी मुझे तीसरी बार और खाना देने लगीं तो में "बस! बस!" कहने लगा, पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया । गोश्त, सब्ज़ी, दाल, रोटी,चावल, चटनी-इतना ज़्यादा खाना तैयार किया गया था कि मैं बता नहीं सकता। जैसा हिन्दुस्तानी खाना लन्दन में मिलता है, वैसा नहीं था; यहाँ तो हर चीज़ एकदम ताज़ी थी, और जितनी ताज़ी थी, उतनी ही स्वादिष्ट ! मिठाई तो किसी दुकान से लाई गई थी, पर मिठाई को छोड़कर हर चीज़ घर में ही बनाई गई थी। माना बनाने में तो कमला जी माहिर हैं।

1- **Metinde geçen gramer kuralların analizini yaparak Türkçeye çevirmek.**